



# राजपत्र, हिमाचल प्रदेश

## (अनाधारण)

हिमाचल प्रदेश राज्य शासन द्वारा प्रकाशित

शिमला, सोमवार, 22 सितम्बर, 1997/31 भाद्रपद, 1919

हिमाचल प्रदेश सरकार

सहकारिता विभाग

अधिसूचना

शिमला-2, 12 जून, 1997

संख्या कोप०-ए० (3)-7/95.—हिमाचल प्रदेश के राज्यपाल, भारत के संविधान के अनुच्छेद 309 के परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, हिमाचल प्रदेश लोक सेवा आयोग के परामर्श से, हिमाचल प्रदेश सहकारिता विभाग में लिपिक (वर्ग-III अराजपत्रित) के पद के लिए इस अधिसूचना से संलग्न उपावन्ध 'अ' के अनुसार भर्ती एवं प्रोन्नति नियम बनाते हैं, अर्थात्:—

1. संक्षिप्त नाम और प्रारम्भ.—(1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम हिमाचल प्रदेश सहकारिता विभाग लिपिक (वर्ग-III अराजपत्रित) भर्ती एवं प्रोन्नति नियम, 1997 है।

(2) ये नियम राजपत्र, हिमाचल प्रदेश में प्रकाशित किए जाने की तारीख से प्रवृत्त होंगे।

2. निरसन और व्यावृत्तियाँ.—(1) कामिनी विभाग की अधिसूचना संख्या पर (ए0 पी0-11) ए0 (3)-2/84, दिनांक 13-11-1984 द्वारा अधिसूचित प्रारंभ-मध्य पर यथा संशोधित हिमाचल प्रदेश (लिपिक/आशुदक/सांख्यिकी सहायक (वर्ग-III) सेवाएं सीधी भर्ती नियम, 1984 का उस विस्तार तक निरसित किया जाता है जहां तक कि वे सहकारिता विभाग में कार्यरत लिपिक के पद को लागू हैं।

(2) ऐसे निरसन से उपर्युक्त उप-नियम 2(1) के अधीन इस प्रकार निरसित सुवर्गत नियमों के अधीन की गई कोई नियुक्ति, वास्तु या कार्रवाई इन नियमों के अधीन विद्यमान रूप में की गई समझी जाएगी।

आदेश द्वारा,

हरिन्द्र हीरा,  
आयुक्त एवं सचिव।

“उपावन्ध-‘अ’”

सहकारिता विभाग हिमाचल प्रदेश में लिपिक (अराजपत्रित वर्ग-III) के पद के लिए भर्ती एवं प्रोन्नति नियम

- |                   |  |
|-------------------|--|
| 1. पद का नाम      | लिपिक  |
| 2. पदों की संख्या | 160 (एक सौ साठ)  |
| 3. वर्गीकरण       | वर्ग-III (अराजपत्रित) (लिपिकीय सेवायें)  |
| 4. वेतनमान        | <p>1. रुपये 950-35-1160-40-1320-45-1500-50-1800 (मूल प्रवेश वेतनमान 1000/- रुपये के आरम्भिक प्रारम्भ के साथ)</p> <p>लिपिकों के लिए:</p> <p>यह वेतनमान रुपये 1200—2130 (वरिष्ठ लिपिक) तथा 1500—2700 (कनिष्ठ सहायक) के वेतनमानों में रखे जाने वाले पदों को घटाकर कांडर में कुल पदों को दिया जाना है।</p> <p>2. रुपये 1200-40-1320-45-1500-50-2000-60-2060-70-2130.</p> <p>वरिष्ठ लिपिकों के लिए:</p> <p>यह वेतनमान लिपिक के रूप में कांडर में कम से कम 5 वर्ष की अवधि के पश्चात् कांडर में लिपिकों के पदों की कुल संख्या के 40 प्रतिशत को दिया जाना है और इन पदों के पदधारियों को वरिष्ठ लिपिक के रूप में पदाभिहित किया जाएगा।</p> <p>3. रुपये 1500-50-2000-60-2060-70-2550-75-2700.</p> <p>कनिष्ठ सहायकों के लिए:</p> |

यह वेतनमान कैंडर में लिपिक और वरिष्ठ लिपिक के रूप में संयुक्त रूप में 10 वर्ष के न्यूनतम सेवाकाल के पश्चात् कांडर में लिपिकों के पदों की कुल संख्या के 40 % को दिया जाना है और इन पदों के पदधारियों को कनिष्ठ महायक के रूप में पदाभिहित किया जायेगा।

5. चयन पद अथवा अचयन पद

अचयन

6. सीधी भर्ती किए जाने वाले व्यक्तियों के लिए आयु

18 से 35 वर्ष :

परन्तु सीधी भर्ती के लिए ऊपरी आयु सीमा तदर्थ या संविदा पर नियुक्त किए गये पहले से सरकार की सेवा में नियुक्त व्यक्तियों सहित अभ्यर्थियों को लागू नहीं होगी :

परन्तु यह और कि यदि तदर्थ आधार पर नियुक्त किया गया अभ्यर्थी इस रूप में नियुक्ति की नागोख को अधिक आयु का हो गया हो, तो वह तदर्थ या संविदा के आधार पर नियुक्ति के कारण विहित आयु में छूट के लिए पात्र नहीं होगा :

परन्तु यह और कि अनुसूचित जातियों/अनुसूचित जन-जातियों तथा अन्य वर्गों के व्यक्तियों के लिए उच्चतम आयु सीमा में उतनी ही छूट दी जा सकेगी जितनी कि हिमाचल प्रदेश सरकार के साधारण या विशेष आदेशों के अधीन अनुज्ञेय है :

परन्तु यह और भी कि पब्लिक सेक्टर निगमों तथा स्वायत्त निकायों के सभी कर्मचारियों को, जो ऐसे पब्लिक सेक्टर निगमों तथा स्वायत्त निकायों के प्रारम्भिक गठन के समय ऐसे पब्लिक सेक्टर निगमों/स्वायत्त निकायों में आमेसन से पूर्व सरकारी कर्मचारी थे, सीधी भर्ती में आयु की सीमा में ऐसी ही रियायत दी जायेगी जैसी सरकारी कर्मचारियों को अनुज्ञेय है, किन्तु इस प्रकार की रियायत पब्लिक सेक्टर निगमों तथा स्वायत्त निकायों में ऐसे कर्मचारीवृन्द को नहीं दी जायेगी जो पश्चात्तवर्ती ऐसे निगमों/स्वायत्त निकायों द्वारा नियुक्त किये गये थे/किये गये हैं और उन पब्लिक सेक्टर निगमों/स्वायत्त निकायों के प्रारम्भिक गठन के पश्चात् ऐसे निगमों/स्वायत्त निकायों की सेवा में अन्तिम रूप से आमेनलत किए गए हैं/किए गए थे।

टिप्पणी.--(1) सीधी भर्ती के लिए आयु सीमा की गणना उग-वष के प्रथम दिवस से की जाएगी जिनमे कि पद (पदों) की, यथास्थिति, आवेदन आमन्त्रित करने के लिए विज्ञापित किया जाता है या नियोजनकाल को अधिसूचित किया जाता है।

(2) अन्यथा सुअहित अभ्यर्थियों की दशा में सीधी भर्ती के लिए आयु सीमा और अनुभव आयोग के विवेकानुसार शिथिल की जा सकती।

7. सीधी भर्ती किये जाने वाले व्यक्तियों के लिए अपेक्षित न्यूनतम शैक्षणिक और अन्य अर्हताएं।

(क) अनिवार्य अर्हता:

(i) माध्यम प्राप्त बोर्ड/विश्वविद्यालय से द्वितीय श्रेणी में मैट्रिक या 10 जमा 2 की परीक्षा पास हो या इसके समकक्ष।

(ii) अंग्रेजी टंकण में कम से कम 30 शब्द प्रति मिनट या हिन्दी टंकण में 25 शब्द प्रति मिनट की न्यूनतम गति रखता हो:

परन्तु यह कि भर्ती के लिए टंकण का ज्ञान आवश्यक नहीं होगा परन्तु चयनित अभ्यर्थियों को उनके अपने-अपने विभागों द्वारा विहित टंकण परीक्षा, बिना किसी विस्तार के उसको नियुक्ति की अवधि से छः महीने के भीतर अर्जित करनी होगी। इस प्रकार यदि कोई नियुक्त किया गया व्यक्ति उसकी नियुक्ति के छः महीने की अवधि के भीतर टंकण परीक्षा पास करने में असफल रहता है तो उसकी सेवाएं समाप्त की जा सकेंगी।

(iii) ऐसे व्यक्ति को टंकण सीखने के लिए छुट्टी अनुदत्त की जा सकेगी, यदि वे ऐसे स्थानों में रूकित किये हों जहां टंकण सुविधायें उपलब्ध न हों। ऐसी छुट्टी उनको भविष्य में अनुज्ञेय छुट्टियों में समायोजित की जाएगी।

(ख) वांछनीय अर्हताएं:

हिमाचल प्रदेश का रूढ़ियों, रितियों और बोलियों का ज्ञान और प्रदेश में विद्यमान विशिष्ट दशाओं में नियुक्ति के लिए उपयोगिता।

8. सीधी भर्ती किए जाने वाले व्यक्तियों के लिए विहित आयु और शैक्षिक अर्हताएं प्रोन्नति की दशा में लागू होगी या नहीं।

आयु: लागू नहीं

शैक्षिक अर्हताएं: हां, जैसा कि स्वप्न 11 में विहित है।

9. परीक्षा की अवधि, यदि कोई हो

दो वर्ष, त्रिपका एक वर्ष से अधिक ऐसी और अवधि के लिए विस्तार किया जा सकेगा जैसा सभ्य प्राधिकारी विशेष परिस्थितियों में और लिखित कारणों से आदेश दें।

10. भर्ती की पद्धति—भर्ती सीधी होगी या प्रोन्नति या प्रतिनियुक्ति या स्थानान्तरण द्वारा और विभिन्न पद्धतियों द्वारा भरी जाएंगी वाली रिक्तियों की प्रतिशतता।

90 प्रतिशत सीधी भर्ती द्वारा तथा 10 प्रतिशत प्रोन्नति द्वारा ऐसा न होने पर सीधी भर्ती द्वारा।

11. प्रोन्नति, प्रतिनियुक्ति या स्थानान्तरण को दर्शा में श्रेणियां जिनसे प्रोन्नति, प्रतिनियुक्ति या स्थानान्तरण किया जाएगा।

वर्तु श्रेणी के पदाधिकारियों में से प्रोन्नति द्वारा, जो दसवीं पात हो या जिन्होंने हिन्दी रत्न सहित चयनित अंग्रेजी विषय के साथ दसवीं पास हो और जिसका पांच वर्ष का नियमित सेवाकाल हो या 31-3-1991 तक की गई लगातार तदर्थ सेवा यदि कोई हो, को सम्मिलित करके उक्त नियमित सेवाकाल हो :

परन्तु करूणा आचार पर इस प्रकार प्रोन्नति या नियुक्ति वर्ग-4 के पदों के पदाधारियों को जो ऐसी नियुक्ति के समय मैट्रिक (तृतीय श्रेणी) या मैट्रिक (अंग्रेजी) केवल हिन्दी रत्न की शैक्षणिक अर्हताएं रखते हों, उनकी वरिष्ठ सहायक के पद पर प्रोन्नति के लिए तब तक विचार नहीं किया जायेगा जब तक कि वे स्तम्भ 7 में सीधा भर्ती के लिए विहित न्यूनतम शैक्षिक अर्हताएं प्राप्त नहीं कर लेते हैं।

- (1) प्रोन्नति के सभी मामलों में पद पर नियमित नियुक्ति से पूर्व संभरण पद में 31-3-1991 तक की गई तदर्थ सेवा यदि कोई हो, प्रोन्नति के लिए इन नियमों में यथाविहित सेवाकाल के लिए इन शर्त के अधीन रहते हुए गणना में ली जाएगी कि उन सभी मामलों में जिनमें कोई कनिष्ठ व्यक्ति सम्भरण पद में अपने कुल सेवाकाल (31-3-91 तक की गई तदर्थ सेवा को शामिल करके) के आधार पर उपर्युक्त निर्दिष्ट अवधियों के कारण विचार किए जाने का पात्र हो जाता है, वहां उससे वरिष्ठ सभी व्यक्ति विचार किए जाने के पात्र समझे जाएंगे और विचार करते समय कनिष्ठ व्यक्ति से ऊपर रखे जायेंगे :

परन्तु उन सभी पदाधारियों को जिन पर प्रोन्नति के लिए विचार किया जाता है, कम से कम तीन वर्ष न्यूनतम अर्हता सेवा या पद के भर्ती एवं प्रोन्नति नियमों में विहित सेवा, जो भी कम होगी:

परन्तु यह और भी कि जहां कोई व्यक्ति पूर्वगामी परन्तु की अपेक्षा के कारण प्रोन्नति किये जाने सम्बन्धों विचार के लिए अपात्र हो जाता वहां उससे कनिष्ठ व्यक्ति भी ऐसी प्रोन्नति के विचार के लिए अपात्र समझा जाएगा।

स्पष्टीकरण .--अन्तिम परन्तु के अन्तर्गत कनिष्ठ पदाधारी प्रोन्नति के लिए अपात्र नहीं समझा जाएगा यदि वरिष्ठ अपात्र व्यक्ति भूतपूर्व सैनिक है, जिसे डिमोबिलाईज्ड आर्मड फोर्स पर्सोनल (रिजवशन माफ वेकेंसीज इन हिमाचल स्टेट नान-टैक्नीकल सर्विसेज) रुलेज, 1972 के नियम 3 के प्रावधानों के अन्तर्गत भर्ती किया

गया हो तथा इसके अन्तर्गत वरीयता लाभ दिए गए हों या जिसे ऐक्य सचिसमैन (रिजर्वेशन आफ वकैन्सीज इन दो हिमाचल प्रदेश टैक्निकल सर्विसीज) ब्लूट्र, 1985 के नियम 3 के प्रावधानों के अन्तर्गत भर्ती किया गया हो व इसके अन्तर्गत वरीयता लाभ दिए गए हों।

(2) इसी प्रकार, स्थायीकरण के सभी मामलों में ऐसे पद पर नियमित नियुक्ति से पूर्व 31-3-1991 तक की गई तदर्थ सेवा यदि कोई हो, सेवा काल के लिए गणना में ली जायेगी :

परन्तु 31-3-1991 तक तदर्थ सेवा को गणना में लेने के पश्चात् जो स्थायीकरण होगा उसके फलस्वरूप पारस्परिक वरीयता अपरिवर्तित रहेगी।

जैसा कि सरकार द्वारा समय-समय पर गठित की जाये।

12. यदि विभागीय प्रोन्नति समिति विद्यमान हो, तो उसकी संरचना।

13. भर्ती करने में, जिन परिस्थितियों में हिमाचल प्रदेश लोक सेवा आयोग से परामर्श किया जाएगा।

14. सीधी भर्ती किये जाने वाले व्यक्तियों के लिए अपेक्षा।

जैसा कि विधि द्वारा अनेक्षित है।

किसी सेवा या पद पर नियुक्ति के लिए अभ्यर्थी का निम्नलिखित होना आवश्यक है :—

(क) भारत का नागरिक, या

(ख) नेपाल की प्रजा, या

(ग) भूटान की प्रजा, या

(घ) लिब्बतो शरणार्थी, जो 1 जनवरी, 1962 से पूर्व भारत में स्थायी निवास के आशय से आया हो, या

(ङ) भारतीय मूल का कोई व्यक्ति जिसने, पाकिस्तान, बर्मा, श्रीलंका, पूर्वी अफ्रीका के देशों या कोनिया, युगण्डा, युनाईटेड रिपब्लिक आफ तंजानिया (पहले तांगानिका और जंजीबार) जॉर्जिया, मालवा, जेयरे और इथोपिया में, भारत में स्थायी निवास के आशय से प्रवास किया हो :

परन्तु प्रवर्ग (ख), (ग), (घ) और (ङ) के अभ्यर्थी ऐसे व्यक्ति होंगे जिनके पक्ष में भारत सरकार द्वारा पात्रता प्रमाण-पत्र जारी किया गया हो।

ऐसे अभ्यर्थी को, जिनके मामले में पात्रता प्रमाण-पत्र आवश्यक हो, हिमाचल प्रदेश लोक सेवा आयोग या अन्य भर्ती प्राधिकरण द्वारा संचालित परीक्षा/माक्षाकार में प्रविष्ट किया जा सकता, किन्तु उसे नियुक्ति का प्रस्ताव, भारत सरकार द्वारा उसे पात्रता का अपेक्षित प्रमाण-पत्र जारी किए जाने के पश्चात् ही दिया जाएगा।

15. सीधी भर्ती द्वारा पद पर नियुक्ति के लिए चयन।

सीधी भर्ती के मामले में पद पर नियुक्ति के लिए चयन, मौखिक परीक्षा के आधार पर, और यदि, यथास्थिति, हिमाचल प्रदेश लोक सेवा आयोग या अन्य भर्ती प्राधिकरण ऐसा करना आवश्यक या समीचीन समझे, तो लिखित परीक्षा या व्यावहारिक परीक्षा के आधार पर किया जाएगा जिसका स्तर/पाठ्यक्रम यथास्थिति आयोग/अन्य भर्ती प्राधिकरण द्वारा निर्धारित किया जायेगा।

16. आरक्षण

उक्त सेवा में नियुक्ति, हिमाचल प्रदेश सरकार द्वारा समय-समय पर अनुसूचित जातियों/अनुसूचित जनजातियों/पिछड़े वर्गों और अन्य प्रवर्ग के व्यक्तियों के लिए सेवाओं में आरक्षण की बाबत जारी किए गये अनुदेशों के अधीन होगी।

17. शिथिल करने की शक्ति

जहां राज्य सरकार की यह राय हो कि ऐसा करना आवश्यक या समीचीन है, वहां यह कारणों को अभिलिखित करके और हिमाचल प्रदेश लोक सेवा आयोग के परामर्श से, आदेश द्वारा, इन नियमों के किन्हीं उपबन्धों को किसी वर्ग या व्यक्तियों के प्रवर्ग या पदों की बाबत शिथिल कर सकेगी।

[Authoritative English text of this Department notification No. Co-op. A (3)-7/95, dated 12-6-1997 as required under clause (3) of Article 348 of the Constitution of India].

## CO-OPERATION DEPARTMENT

### NOTIFICATION

Shimla-171002, the 12th June, 1997

No. Co-op. A (3)-7/95.—In exercise of the powers conferred by proviso to Article 309 of the Constitution of India, the Governor, Himachal Pradesh in consultation with the Himachal Pradesh Public Service Commission, is pleased to make the Recruitment and Promotion Rules for the post of Clerk (Class-III, Non-Gazetted) in the Department of Co-operation, Himachal Pradesh, as per Annexure 'A' attached to this notification, namely:—

1. *Short title and commencement*.—(i) These rules may be called the Himachal Pradesh Co-operation Department, Clerk (Class-III, Non-Gazetted) Recruitment and Promotion Rules, 1997.

(ii) These Rules shall come into force from the date of publication in the Rajpatra Himachal Pradesh.

2. *Repeal and savings*.—(1) The Himachal Pradesh, Class-III Services (Clerks/Stenotypist/Statistical Assistants) Direct Recruitment Rules, 1984, notified vide this Department of Personnel Notification No. Per. (AP-II)-A (3) 2/84, dated 13-11-1984 and as amended from time to time are hereby repealed to the extent these are applicable to the post of Clerk working in the Government Department.

(2) Notwithstanding such repeal, anything done, any appointment made or any action taken under the rules so repealed under sub-rule 2 (1) shall be deemed to have been validly made, done or taken under these rules.

By order,

HARINDER HIRA,  
Commissioner-cum-Secretary.

ANNEXURE "A"

RECRUITMENT AND PROMOTION RULES FOR THE POSTS OF CLERK (NON-GAZETTED) CLASS-III IN THE DEPARTMENT OF CO-OPERATION HIMACHAL PRADESH

1. Name of the post Clerk
2. Number of posts 160 (One hundred sixty)
3. Classification Class-III (Non-Gazetted) Ministerial Services.
4. Scale of pay
  - (i) Rs. 950-35-1160-40-1320-45-1500-50-1800.  
(Basic entry scale with an initial start of Rs. 1000/-)  
For Clerks.—This scale is to be given to the total number of posts in a cadre minus the posts which are to be placed in the scale of Rs. 1200—2100, (Senior Clerks) and Rs. 1500—2700 (Junior (Assistants)).
  - (ii) Rs. 1200-40-1320-45-1500-50-2000-60-2130.  
For Senior Clerks—This scale is to be given to 40% of the total number of posts of Clerks in a cadre after a minimum period of Five years as Clerks in the cadre and the incumbents of these posts shall be designated as Senior Clerks.
  - (iii) Rs. 1500-50-2000-60-2060-70-2550-75-2700.  
For Junior Assistants.—This scale is to be given upto 40% of the total number of posts of Clerks in a cadre after a minimum period of 10 years of service taken together as Clerk and Senior Clerk in the cadre and the incumbents of these posts shall be designated as Junior Assistants.
5. Whether selection post or non-selection post. Non Selection.
6. Age for direct recruitment Between 18 and 35 years :  
Provided that the upper age limit for direct recruits will not be applicable to the candidates already in service of the Government including those who have been appointed on *ad hoc* or on contract basis:



Provided further that if a candidate appointed on *ad hoc* basis or on contract basis had become overage on the date when he was appointed as such he shall not be eligible for any relaxation in the prescribed age limit by virtue of his such *ad hoc* or contract appointment:

Provided further that upper age limit is relaxable for Scheduled Castes/Scheduled Tribes/ Other categories of persons to the extent permissible under the general or special order(s) of the Himachal Pradesh Government:

Provided further that the employees of all the Public Sector Corporations and Autonomous Bodies who happened to be Government servants before absorption in Public Sector Corporations/Autonomous Bodies at the time of initial constitution of such Corporations/Autonomous Bodies shall be allowed age concession in direct recruitment as admissible to Government servant. This concession will not, however, be admissible to such staff of the Public Sector Corporations/Autonomous Bodies who were/are subsequently appointed by such Corporations/Autonomous Bodies and who are/were finally absorbed in the service of such Corporations/Autonomous Bodies after initial constitution of the Public Sector Corporations/Autonomous Bodies.

(1) Age limit for direct recruitment will be reckoned on the first day of the year in which the post(s) is/are advertised for inviting applications or notified to the Employment Exchanges or as the case may be.

(2) Age and experience in the case of direct recruitment, relaxable at the discretion of the H. P. Public Service Commission in case the candidate is otherwise well qualified.

Minimum educational and other qualifications required for direct recruits.

(a) *Essential Qualification :*

- (i) Should have passed Matriculation with second division or 10+2 Examination or its equivalent from a recognised University/Board.
- (ii) Should possess a minimum speed of 30 words per minute in English Typewriting or 25 words per minute in Hindi Typewriting:

Provided that the knowledge of typewriting shall not be necessary for recruitment but the selected candidates shall have to qualify the typewriting test prescribed by the respective Departments within 6 months of his/her appointment with no

extension. Thus, if an appointee fails to qualify the type-writing test within a period of six months of his/her appointment, shall be terminated.

- (iii) Leave should be allowed to such persons for learning typewriting if they are posted to places where typewriting facilities are not available. Such leave would be adjusted against the future leave admissible to them.

(b) *Desirable qualifications :*

Knowledge of customs, manners and dialects of Himachal Pradesh and suitability for appointment in the peculiar conditions prevailing in the Pradesh.

8. Whether age and educational qualifications prescribed for direct recruits will apply in the case of the promotees.

Age : No

Educational qualifications : Yes, as prescribed in Column No. 11.

9. Period of probation, if any

Two years subject to such further extension for a period not exceeding one year as may be ordered by the competent authority in special circumstances and reasons to be recorded in writing.

10. Method of recruitment—whether by direct recruitment or by promotion, deputation, transfer and the percentage of vacancies to be filled in by various methods.

90% by direct recruitment and 10% by promotion failing which by direct recruitment.

11. In case of recruitment by promotion, deputation, transfer, grade; from which promotion/deputation/transfer is to be made.

By promotion from amongst the Class-IV officials who have passed Matric or Hindi (Rattan) with Matric (English as one of the subjects) and also possess 5 years' regular combined with continuous *ad hoc* (rendered up to 31-3-91) service, if any in the grade:

Provided that the incumbents of the post of Class-IV officials so promoted or appointed on compassionate grounds having the Educational qualifications of Matric pass (3rd Division) or Matric (English) only and Hindi Rattan pass at the time of such appointment, shall not be considered to be eligible for the post of Senior Assistant until they possess the minimum educational qualifications prescribed for direct recruitment in Column No. 7 above.

*Note.*—(1) In all cases of promotion, the *ad hoc* service rendered in the feeder post upto 31-3-1991, if any, prior to regular appointment to the

post shall be taken into account towards the length of service as prescribed in these Rules for promotion subject to the condition,

that in all cases where a junior person becomes eligible for consideration by virtue of his total length of service (including the service rendered on *ad hoc* basis up to 31-3-91) in the feeder post in view of the provisions referred to above, all persons senior to him in the respective category/post/cadre shall be deemed to be eligible for consideration and placed above the junior person in the field of consideration:

Provided that all incumbents to be considered for promotion shall possess the minimum qualifying service of at least three years or that prescribed in the Recruitment and Promotion Rules for the post whichever is less:

Provided further that where a person becomes ineligible to be considered for promotion on account of the requirements of the preceding proviso, the person(s) junior to him shall also be deemed to be ineligible for consideration for such promotion.

*Explanation.*—The last proviso shall not render the junior incumbents ineligible for consideration for promotion if the senior ineligible persons happened to be *Ex-servicemen* recruited under the provisions of Rule 3 of Demobilised Armed Forces Personnel (Reservation of vacancies in Himachal State Non-Technical Services) Rules, 1972 and having been given the benefit of seniority thereunder or recruited under the provisions of Rule-3 of *Ex-Servicemen* (Reservation of Vacancies in the Himachal Pradesh Technical Services) Rules, 1985 and having been given the benefit of seniority thereunder.

*Note.*—(2) Similarly, in all cases of confirmation, *ad hoc* service rendered on the feeder post upto 31-3-1991, if any, prior to the regular appointment against such post shall be taken into account towards the length of service:

Provided that *inter-se* seniority as a result of confirmation after taking into account *ad hoc* service rendered upto 31-3-1991 shall remain unchanged.

12. If a Departmental Promotion Committee exists, what is its composition.
- As may be constituted by the Government from time to time.
13. Circumstances under which the H.P.P.S.C. is to be consulted in making recruitment.
- As required under the law.
14. Essential requirement for a direct recruitment.
- A candidate for appointment to any service or post must be :—
- (a) a citizen of India, or
  - (b) a subject of Nepal, or
  - (c) a subject of Bhutan, or
  - (d) a Tibetan refugee who came over to India before the 1st January, 1962 with the intention of permanently settling in India, or
  - (e) a person of Indian origin who has migrated from Pakistan, Burma, Sri Lanka, East African countries of Kenya, Uganda, the United Republic of Tanzania (formerly Tanganyika and Zanzibar), Zambia, Malawi, Zaire and Ethiopia with the intention of permanently settling in India:
- Provided that a candidate belonging to categories (b), (c), (d) and (e) shall be a person in whose favour a certificate of eligibility has been issued by the Government of India.
- A candidate in whose case a certificate of eligibility is necessary may be admitted to an examination or interview conducted by the Himachal Pradesh Public Service Commission or other recruiting authority, but the offer of appointment may be given only after the necessary eligibility certificate has been issued to him by the Government of India.
15. Selection for appointment to the post by direct recruitment.
- Selection for appointment to the post in case of direct recruitment shall be made on the basis of *viva voce* test if the Himachal Pradesh Public Service Commission or other recruiting authority as the case may be, so consider necessary or expedient by a written test or practical test, the standard/syllabus etc. of which will be determined by the Commission/other recruiting authority as the case may be.

**Reservation**

The appointment to the service shall be subject to orders regarding reservation in the service for Scheduled Castes/Scheduled Tribes/Backward Classes/Other Categories of persons issued by the Himachal Pradesh Government from time to time.

**Power to relax**

Where the State Government is of the opinion that it is necessary or expedient to do so, it may, by order for reasons to be recorded in writing and in consultation with the Himachal Pradesh Public Service Commission, relax any of the provisions of these rules with respect to any class or category of persons or posts.

